रोल नं.
Roll No. [ ][ ][ ][ ][ ][ ][ ][ ]

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 7

101

401 (IOA)

2022

हिन्दी

समय : 3 घण्टे]

[पूर्णांक : 100

निर्देश : (i) इस प्रश्न-पत्र के **दो** खण्ड **'अ'** और **'ब'** हैं। दोनों खण्डों में पूछे गए **सभी** प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है। प्रश्नों के उत्तर यथासम्भव क्रमवार दीजिए।

(ii) प्रश्नों के निर्धारित अंक उनके सम्मुख अंकित हैं।

खण्ड - 'अ'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

जब लोग त्रस्त हों, पराजित हों या शोकग्रस्त हों, तभी उन्हें हमारी सहानुभूति, सहायता या प्रोत्साहन की जरूरत होती है। उस समय उनका आत्मविश्वास लड़खड़ा जाता है। उस समय उनकी खिल्ली उड़ाने का या उनकी परेशानी का मजा लूटने का मोह हमें रोकना चाहिए और उन्हें सहारा देना चाहिए, उनकी हिम्मत बढ़ानी चाहिए। जो ऐसा करते हैं, वे उनके हृदय में हमेशा के लिए स्थान प्राप्त कर लेते हैं, अपनी लोकप्रियता की परिधि विस्तृत करते हैं।

दूसरों के सुख-दुःख में सच्चे अन्तःकरण से दिलचस्पी लेना अच्छे संस्कार का लक्षण तो है ही, साथ ही व्यवहार कुशलता भी है, जो लोगों को हमारी ओर आकर्षित करती है। हाँ, इसमें दिखावा, बनावटीपन और ऊपरी-ऊपरी शिष्टाचार नहीं होना चाहिए। जो भावना सच्ची होती है, हृदय से निकलती है, वह हृदय को बाँध भी सकती है।

ऊपर से कोई बड़ा आदमी कितना भी आत्मविश्वासी और आत्मतुष्ट क्यों न दिखाई दे, भीतर से वह हमारी-आपकी तरह प्रशंसा का, प्रोत्साहन का, स्नेह का भूखा होता है। यदि आप उसे प्रामाणिकतापूर्वक ले सकें तो आप फौरन उसके हृदय के निकट पहुँच जाएँगे। दूसरों की भावनाओं को ठीक-ठीक समझना, उनकी कद्र करना, उनके साथ सच्चाई और स्नेह का व्यवहार करना, यही व्यवहार कुशलता है। इसी से सामाजिक जीवन में लोकप्रियता को दरवाजे खोलने की कुंजी हाथ लगती है। इससे हमारी अपनी सुख-शान्ति बढ़ती है, सो अलग।

(क) लोगों को हमारी सहानुभूति या प्रोत्साहन की आवश्यकता कब होती है? 3

Downloaded from cclchapter.com

(ख) सच्ची भावना का क्या प्रभाव पड़ता है? 3

(ग) ऊपर से आत्मविश्वासी व संतुष्ट दिखाई देने वाले व्यक्ति को भीतर से किस चीज की जरूरत होती है? 3

(घ) व्यवहार कुशलता के क्या लक्षण हैं? 3

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए। 3

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर लगभग 200 शब्दों में निबन्ध लिखिए- 10

(क) राष्ट्र-निर्माण में युवा शक्ति का योगदान

(ख) शिक्षित बेरोजगारी : एक अभिशाप

(ग) उत्तराखण्ड में पर्यटन की संभावनाएँ

(घ) विज्ञान की उपलब्धियाँ

3. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए – $1\times5=5$

(क) एक अच्छे समाचार में कौन-कौन से गुण होने चाहिए?

(ख) फीचर किसे कहते हैं?

(ग) निम्नलिखित में जनसंचार का प्रिंट माध्यम है-

(i) रेडियो

(ii) फिल्म

(iii) पत्रिका

(घ) 'टेलीविजन' निम्नलिखित में से जनसंचार का कौन-सा माध्यम है-

(i) प्रिंट माध्यम

(ii) ऑडियो माध्यम

(iii) ऑडियो वीडियो माध्यम

(ङ) समाचार पत्र में सम्पादक के विचार को कहा जाता है-

(i) फीचर

(ii) सम्पादकीय

(iii) रिपोर्ट

4. 'समाचार पत्र : लोकतंत्र का प्रहरी' **अथवा** 'मद्यपान : एक सामाजिक कलंक' विषय पर लगभग 150 शब्दों में एक आलेख लिखिए। 5

Downloaded from cclchapter.com

5. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी **एक** पर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए– 2×3=6

(i) बच्चे प्रत्याशा में होंगे,
नीड़ों से झाँक रहे होंगे-
यह ध्यान परों में चिड़ियों के भरता कितनी चंचलता है!
दिन जल्दी-जल्दी ढलता है!
मुझसे मिलने को कौन विकल?
मैं होऊँ किसके हित चंचल ?
यह प्रश्न शिथिल करता पद को, भरता उर में विह्वलता है!
दिन जल्दी-जल्दी ढलता है!

(क) पद्यांश के कवि और कविता का नाम लिखिए।

(ख) वह कौन-सी शक्ति है, जो चिड़ियों के पंखों में चंचलता भर देती है?

(ग) कवि किसलिए चंचलता त्याग देता है?

(ii) जाने क्या रिश्ता है, जाने क्या नाता है
जितना भी उँड़ेलता हूँ, भर-भर फिर आता है
दिल में क्या झरना है?
मीठे पानी का सोता है
भीतर वह, ऊपर तुम
मुसकाता चाँद ज्यों धरती पर रात-भर
मुझ पर त्यों तुम्हारा ही खिलता वह चेहरा है!

(क) कवि अपनी प्रिया और अपने मध्य किस प्रकार का सम्बन्ध मानता है?

(ख) कवि के दिल में कैसा झरना है?

(ग) कविता में चाँद और पृथ्वी के रूप में किसे प्रस्तुत किया है?

Downloaded from cclchapter.com

6. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 2×2=4

धूत कहौ, अवधूत कहौ, रजपूतु कहौ, जोलहा कहौ कोऊ।
काहू की बेटीसों बेटा न ब्याहब, काहूकी जाति बिगार न सोऊ।।
तुलसी सरनाम गुलामु है राम को, जाको रूचै सो कहै कछु ओऊ।
माँगि कै खैबो, मसीत को सोइबो, लैबोको एकु न दैबको दोऊ।

(क) उक्त काव्यांश का भाव सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए।

(ख) भाषा की दृष्टि से उक्त पंक्तियों के सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए।

7. निम्नलिखित में से किन्हीं <u>दो</u> प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 2×2=4

(क) 'कविता के बहाने' कविता के आधार पर 'सब घर एक कर देने के माने' का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'परदे पर वक्त की कीमत है' कहकर कवि ने पूरे साक्षात्कार के प्रति अपना नजरिया किस रूप में रखा है?

(ग) कवितावली में उद्धत छंदों के आधार पर स्पष्ट करें कि तुलसीदास को अपने युग की आर्थिक विषमता की अच्छी समझ है।

8. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी **<u>एक</u>** पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 2×3=6

(i) इन बातों को आज पचास से ज्यादा बरस होने को आए पर ज्यों की त्यों मन पर दर्ज हैं। कभी-कभी कैसे-कैसे संदर्भों में ये बातें मन को कचोट जाती हैं, हम आज देश के लिए करते क्या हैं? माँगें हर क्षेत्र में बड़ी-बड़ी हैं पर त्याग का कहीं नाम-निशान नहीं है। अपना स्वार्थ आज एक मात्र लक्ष्य रह गया है। हम चटखारे लेकर इसके या उसके भ्रष्टाचार की बातें करते हैं पर क्या कभी हमने जाँचा है कि अपने स्तर पर अपने दायरे में हम उसी भ्रष्टाचार के अंग तो नहीं बन रहे हैं? काले मेघा दल के दल उमड़ते हैं, पानी झमाझम बरसता है, पर गगरी फूटी की फूटी रह जाती है, बैल पियासे के पियासे रह जाते हैं? आखिर कब बदलेगी यह स्थिति?

(क) लेखक के मन को कौन-सी बात कचोट जाती है?

(ख) भ्रष्टाचार की बातें करते समय हम क्या नहीं जाँचते हैं?

(ग) 'गगरी फूटी की फूटी, बैल पियासे के पियासे'- वाक्य का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ii) जाति-प्रथा को यदि श्रम-विभाजन मान लिया जाए, तो यह स्वाभाविक विभाजन नहीं है, क्योंकि यह मनुष्य की रुचि पर आधारित नहीं है। कुशल व्यक्ति या सक्षम-श्रमिक-समाज का निर्माण करने के लिए यह आवश्यक है कि हम व्यक्तियों की क्षमता इस सीमा तक विकसित करें, जिससे वह अपना पेशा या कार्य का चुनाव स्वयं कर सके। इस सिद्धान्त के विपरीत जाति-प्रथा का दूषित

Downloaded from cclchapter.com

सिद्धान्त यह है कि इससे मनुष्य के प्रशिक्षण अथवा उसकी निजी क्षमता का विचार किए बिना, दूसरे ही दृष्टिकोण जैसे माता-पिता के सामाजिक स्तर के अनुसार, पहले से ही अर्थात् गर्भधारण के समय से ही मनुष्य का पेशा निर्धारित कर दिया जाता है।

(क) जाति-प्रथा को स्वाभाविक श्रम विभाजन क्यों नहीं माना जा सकता है?

(ख) सक्षम श्रमिक-समाज का निर्माण करने के लिए क्या आवश्यक है?

(ग) जाति-प्रथा का दूषित सिद्धान्त क्या है?

9. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए - 3×2=6

(क) भक्तिन का वास्तविक नाम क्या था? वह लोगों से अपना वास्तविक नाम क्यों छिपाती थी?

(ख) 'बाज़ारूपन' से क्या तात्पर्य है? बाज़ार की सार्थकता किसमें है?

(ग) नमक की पुड़िया ले जाने के सम्बन्ध में सफिया के मन में क्या द्वन्द्व था?

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए- 2×2=4

(क) अपने परिवार की किन बातों को यशोधर बाबू अनुचित समझते हैं?

(ख) 'जूझ' कहानी के आधार पर बताइए कि लेखक के व्यक्तित्व पर सर्वाधिक प्रभाव किसका पड़ा और किस रूप में ?

(ग) स्पष्ट कीजिए कि सिंधु-सभ्यता साधन-सम्पन्न थी, पर उसमें भव्यता का आडम्बर नहीं था।

11. 'सिल्वर वैडिंग' कहानी के सन्देश को व्यक्त कीजिए। 5

अथवा

'जूझ' कहानी के शीर्षक के औचित्य पर अपने विचार व्यक्त कीजिए।

खण्ड - 'ब'

12. निम्नांकित गद्यांशं पठित्वा केवलं **त्रीन्** प्रश्नान् पूर्णवाक्येन उत्तरत- 2×3=6
(निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर केवल **तीन** प्रश्नों के उत्तर संस्कृत के पूर्ण वाक्य में दीजिए)

एकः नवयुवकः अधिवक्ता श्वेतवेशः शिरसि टोपिकां धृत्वा न्यायालयं प्रविष्टवान् । आंग्लन्यायाधीशः एतस्य नवयुवकस्य गौरवमयं भारतीयं वेशं दृष्ट्वा तम् आदिष्टवान् यत् टोपिकां विना न्यायालयं प्रविशतु अन्यथा बहिर्गच्छतु।" सः नवयुवकः आंग्लन्यायाधीशस्य समक्षम् अवदत् - "अहं न्यायालयं त्यक्तुं

Downloaded from cclchapter.com

शक्नोमि परं स्वटोपिकां न निष्कासयिष्यामि, यतो हि एषः मम आत्मगौरवस्य विषयः अस्ति।

(क) कीदृशः नवयुवकः न्यायालयं प्रविष्टवान् ?

(ख) आंग्लन्यायाधीशः नवयुवकस्य भारतीयं वेशं दृष्ट्वा किम् आदिष्टवान् ?

(ग) नवयुवकः आंग्लन्यायाधीशस्य समक्षं किम् अवदत् ?

(घ) नवयुवकः किम् न निष्कासयिष्यति?

13. अधोलिखितं श्लोकं पठित्वा **द्वौ** प्रश्नौ पूर्णवाक्येन उत्तरत- 2×2=4

(निम्नलिखित श्लोक को पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर संस्कृत के पूर्ण वाक्य में दीजिए)

रे ! रे ! चातक सावधानमनसा मित्र ! क्षणं श्रूयताम्
अम्बोदाः बहवो वसन्ति गगने सर्वेऽपि नैतादृशाः ।
केचिद् वृष्टिभिरार्द्रयन्ति वसुधां गर्जन्ति केचिद् वृथा
यं यं पश्यसि तस्य तस्य पुरतो मा ब्रूहि दीनं वचः।।

(क) गगने के सन्ति?

(ख) अम्बोदाः काम् आर्द्रयन्ति?

(ग) कविः चातकेन किम् संदिशति?

14. अधोलिखित प्रश्नेभ्यः **पञ्च** प्रश्नान् संस्कृतभाषायां पूर्णवाक्येन उत्तरत- 2×5=10

(निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर संस्कृत के पूर्ण वाक्यों में दीजिए)

(क) का सदैव कटुवचनं वदति ?

(ख) नीचाः केनभयेन कार्यम् न आरभन्ते ?

(ग) कस्मात् कारणात् अग्रजः उदरे महान्तं तापम् अनुभूतवान् ?

(घ) का वृक्षं वेष्टयते ?

(ङ) वृक्षेषु केषां दर्शनं भवति?

(च) केदारघाटी कुत्र वर्तते ?

(छ) गोविन्दबल्लभपन्तस्य उच्चशिक्षा कुत्र सम्पन्ना अभवत् ?

(ज) जलप्रलये किं किं बभूव?

15. अधोलिखितेषु पदेषु **चत्वारि** पदानि चित्वा तेषां वाक्यरचना संस्कृतभाषायां कुरुत - 1×4=4

(निम्नलिखित शब्दों में से **चार** शब्दों का संस्कृत में वाक्य-प्रयोग कीजिए)

ग्रामे, गच्छति, सा, कन्दुकेन, पुस्तकम्, सर्वदा, गगने, हिमालयः, न्यायालयः, कुत्र।

Downloaded from cclchapter.com

16. (क) समासविग्रहं कृत्वा समासस्य नामोल्लेखं च कुरूत- 1

(समास विग्रह कर समास का नाम भी लिखिए)

पञ्चवटी **अथवा** राजपुत्रः

(ख) विभक्ति निर्देशनं कुरूत (विभक्ति बताइए) 1

विद्यालयस्य **अथवा** गगने

(ग) 'कवि' **अथवा** 'बालिका' शब्दस्य चतुर्थी विभक्तेः एकवचनस्य रूपं लिखत। 1

(कवि **अथवा** 'बालिका' शब्द का चतुर्थी विभक्ति, एक वचन का रूप लिखिए)

(घ) लकारं पुरूषं च लिखत (लकार और पुरूष लिखिए)- 1

गच्छेत् **अथवा** पचसि

(ङ) (i) सन्धिं कुरूत (संधि कीजिए)- 1

तपः + चर्या **अथवा** निः + धनम्

(ii) सन्धिविच्छेदं कुरूत (संधि विच्छेद कीजिए)– 1

मूर्खोऽपि **अथवा** पितुरिच्छा

अथवा

अस्मिन् प्रश्नपत्रे आगतं श्लोकं वर्जयन कमपि अन्यं कण्ठस्थं श्लोकं लिखित्वा हिन्दीभाषायाम् तस्य अनुवादं कुरूत। 3+3=6

(कोई एक कण्ठस्थ श्लोक, जो इस प्रश्नपत्र में न आया हो, लिखिए और हिन्दी में उसका अनुवाद कीजिए।)

*****

Downloaded from cclchapter.com